देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

ओडिशा में कांग्रेस पस्त, बीजेडी अस्त... 12

जौनपुर में बसपा ने नामांकन के अंतिम पूर्व 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्ष: 15 | अंक: 203
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12
मंगलवार | 07 मई, 2024

कृषक समिति की बैठक में हरी खाद के महत्व पर डाला प्रकाश

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय के लाल बहादुर शास्त्री सभागार में सोमवार को चंद्रशेखर कृषक समिति की बैठक संपन्न हुई जिसमें मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने हरी खाद के महत्व विषय पर जानकारी देते हुए बताया कि किसान 30 से 40 किलोग्राम ढैंचा के बीज प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई करें तथा समय-समय पर सिंचाई करते रहें। उन्होंने किसानों को बताया कि ढैंचा की फसल को 35 से 40 दिन पर मिट्टी में मिला देने से मृदा में 84 से 129 किलोग्राम नाइट्रोजन प्रति हेक्टेयर प्राप्त होती है तथा हरे पदार्थ की मात्रा 20 से 25 टन प्रति हेक्टेयर प्राप्त होता है। जिससे किसानों की फ़सल लागत में कमी आती है तथा फसल की गुणवत्ता अच्छी होती है। शस्य वैज्ञानिक डॉ. जितेंद्र सिंह ने किसानों को धान की नर्सरी का प्रबंधन विषय पर जानकारी दी तथा किसनो द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर भी दिए गए। कार्यक्रम में अंत में अतिथियों को धन्यवाद डॉ. एसएल वर्मा ने दिया।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता किसान समर सिंह भदौरिया ने की। इस अवसर पर जगदीश सिंह, कमल किशोर सहित अन्य किसानों ने भाग लिया।

वर्ष 05, अंक 289, कानपुर, मंगलवार, 07 मई 2024
पृष्ठ- 08, मूल्य-02 रुपये www.shashwattimes.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

शाश्वत टाइम्स

चंद्रशेखर कृषक समिति की बैठक में कृषकों को दिए गए खेती के वैज्ञानिक गुर

शाश्वत टाइम्स

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय के लाल बहादुर शास्त्री सभागार में आज चंद्रशेखर कृषक समिति की बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने हरी खाद के महत्व विषय पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसान 30 से 40 किलोग्राम ढैंचा का बीज प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई करें तथा समय-समय पर सिंचाई करते रहें ।उन्होंने किसानों को बताया कि ढैंचा की फसल को 35 से 40 दिन पर मिट्टी में मिला दें ।जिससे मृदा में 84 से 129 किलोग्राम नाइट्रोजन प्रति हेक्टेयर प्राप्त होती है। तथा हरे पदार्थ की मात्रा 20 से 25 टन प्रति हेक्टेयर प्राप्त होता है। जिससे किसानों की फ़सल लागत में कमी आती है तथा फसल की गुणवत्ता अच्छी होती है। शस्य वैज्ञानिक डॉक्टर जितेंद्र सिंह ने कृषकों को धान की नर्सरी का प्रबंधन विषय जानकारी दी तथा कृषकों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर भी दिए गए। कार्यक्रम में अंत में अतिथियों को धन्यवाद डॉक्टर एसएल वर्मा ने दिया ।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रगतिशील कृषक समर सिंह भदौरिया ने की। इस अवसर पर श्री जगदीश सिंह, कमल किशोर सहित अन्य किसानों ने भाग लिया।

हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

-128 लखनऊ व एटा से प्रकशित मंगलवार, 07 मई 2024 R.N.I. No.: UPHIN/2007/20715 पृष्ठ- 4

चंद्रशेखर कृषक समिति की बैठक में कृषकों को दिए गए खेती के वैज्ञानिक गुर

अनवर अशरफ

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय के लाल बहादुर शास्त्री सभागार में आज चंद्रशेखर कृषक समिति की बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने हरी खाद के महत्व विषय पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसान 30 से 40 किलोग्राम ढैंचा का बीज प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई करें तथा समय-समय पर सिंचाई करते रहें ।उन्होंने किसानों को बताया कि ढैंचा की फसल को 35 से 40 दिन पर मिट्टी में मिला दें ।जिससे मृदा में 84 से 129 किलोग्राम नाइट्रोजन प्रति हेक्टेयर प्राप्त होती है। तथा हरे पदार्थ की मात्रा 20 से 25 टन प्रति हेक्टेयर प्राप्त होता है। जिससे किसानों की फ़सल लागत में कमी आती है तथा फसल की गुणवत्ता अच्छी होती है। शस्य वैज्ञानिक डॉक्टर जितेंद्र सिंह ने कृषकों को धान की नर्सरी का प्रबंधन विषय जानकारी दी तथा कृषकों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर भी दिए गए। कार्यक्रम में अंत में अतिथियों को धन्यवाद डॉक्टर एसएल वर्मा ने दिया ।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रगतिशील कृषक समर सिंह भदौरिया ने की। इस अवसर पर श्री जगदीश सिंह, कमल किशोर सहित अन्य किसानों ने भाग लिया।

वर्ष : 16 अंक : 124 लखनऊ मंगलवार, 7 मई 2024 पृष्ठ : 12, मूल्य: ₹4/-

विश्ववार्ता
www.vishwavarta.com
सच्ची ख़बर, पैनी नज़र

किसानों को उन्नत खेती के लिए वैज्ञानिक टिप्स

कानपुर। नगर में चंद्रशेखर कृषक समिति की बैठक में सोमवार को किसानों को उन्नत खेती के वैज्ञानिक टिप्स दिए गए। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के प्रसार निदेशालय के लाल बहादुर शास्त्री सभागार में यह बैठक संपन्न हुई। बैठक में मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने हरी खाद के महत्व विषय पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसान 30 से 40 किलोग्राम ढैंचा का बीज प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई करें तथा समय-समय पर सिंचाई करते रहें। उन्होंने किसानों को बताया कि ढैंचा की फसल को 35 से 40 दिन पर मिट्टी में मिला दें, जिससे मृदा में 84 से 129 किलोग्राम नाइट्रोजन प्रति हेक्टेयर प्राप्त होती है।

शस्य वैज्ञानिक डॉ. जितेंद्र सिंह ने कृषकों को धान की नर्सरी का प्रबंधन विषय की जानकारी दी। कृषकों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर भी दिए गए। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों का धन्यवाद डॉ. एसएल वर्मा ने दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रगतिशील कृषक समर सिंह भदौरिया ने की। इस अवसर पर जगदीश सिंह, कमल किशोर सहित अन्य किसानों ने भाग लिया।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 15 अंक : 303 कानपुर, मंगलवार 07 मई 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

कृषक समिति की बैठक में कृषकों को दिए खेती के वैज्ञानिक गुर

कानपुर । सीएसए के प्रसार निदेशालय के लाल बहादुर शास्त्री सभागार में सोमवार को चंद्रशेखर कृषक समिति की बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में मृदा वैज्ञानिक

डॉक्टर खलील खान ने हरी खाद के महत्व विषय पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसान 30 से 40 किलोग्राम ढैंचा का बीज प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई करें तथा समय-समय पर सिंचाई करते रहें ।उन्होंने किसानों को बताया कि ढैंचा की फसल को 35 से 40 दिन पर मिट्टी में मिला दें ।जिससे मृदा में 84 से 129 किलोग्राम नाइट्रोजन प्रति हेक्टेयर प्राप्त होती है। तथा हरे पदार्थ की मात्रा 20 से 25 टन प्रति हेक्टेयर प्राप्त होता है। जिससे किसानों की फ़सल लागत में कमी आती है तथा फसल की गुणवत्ता अच्छी होती है। शस्य वैज्ञानिक डॉक्टर जितेंद्र सिंह ने कृषकों को धान की नर्सरी का प्रबंधन विषय जानकारी दी तथा कृषकों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर भी दिए गए। कार्यक्रम में अंत में अतिथियों को धन्यवाद डॉक्टर एसएल वर्मा ने दिया ।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रगतिशील कृषक समर सिंह भदौरिया ने की। इस अवसर पर श्री जगदीश सिंह, कमल किशोर सहित अन्य किसानों ने भाग लिया।